मुंबई प्रदेश वैश्य महासम्मेलन, मुंबई

MUMBAI PRADESH VISH FEDERATION, MUMBAI

(अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन से सम्बद्ध)

अ.भा.वै.फे.
वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
चंपालाल वर्धन
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
उदय दादा लाड
योगेन्द्र राजपुरिया
वरिष्ठ उपाध्यध्यक्ष (युवा)
अतुल भंसाली

मुं.प्र.वै.फे
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
जी.एन. साबू
आर. के. मित्तल
जी.एन. मोदी
खुशीराम वैश्य
विभाष खाटू
हसमुख सेठ
उपाध्यक्ष
श्रीराम खण्डेलवाल
अनुराग गुप्ता
महेन्द्र तोंडलीकर
सचिव
श्रीकांत गुप्ता
इलेश मेहता
कोषाध्यक्ष
ललित शाह
प्रवक्ता
कन्हैयालाल खण्डेलवाल
चेयरमेन प्रो. सेल
शशिकांत तुलसियान
सदस्य
अनिल पाटोदिया
अशोक बिन्दल
चंद्रकांत मुद्रस
डी.सी. गुप्ता
दिलीप महेश्वरी
घनश्याम कूलवाल
हुकूमराज भण्डारी
मुकेश वर्धन
निलेश दोशी
राकेश गुप्ता
शेखर लाड
सुशील मोदी
आनंद प्रकाश गुप्ता

महिला विंग
अध्यक्ष
आशा मित्तल
महासचिव
नुपूर भंसाली

युवा विंग
अध्यक्ष
शिवकुमार लाड
महासचिव
राकेश चौपड़ा

अध्यक्ष	*कार्यकारी अध्यक्ष*	*महासचिव*
राकेश मेहता	**बी. जी. डागा**	**सुरेन्द्र मेहता**
9322223323	9867223727	9820092815

अपील

प्रिय वैश्य बंधु,

क्या आप जानते हैं कि

- ☞ आप ऐसे समुदाय के सदस्य हैं जिसकी आबादी देश की आबादी के छठे हिस्से से अधिक है !
- ☞ आप ऐसे समुदाय से संबंध रखते हैं जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)/ राष्ट्रीय राजकोष में सबसे अधिक योगदान करता है। आपके समुदाय ने सरकार के बाद सबसे अधिक संख्या में लोगों को रोजगार दिया है!
- ☞ आपके समुदाय में सबसे अधिक दानदाता हैं तथा प्रत्येक लोकोपकारी, सामाजिक व सार्वजनिक प्रयोजनार्थ सहयोग दिया है!
- ☞ आपके समुदाय के सदस्य देश के हर प्रांत में मौजूद हैं!

- जी हाँ, वैश्य समुदाय भारतीय समाज का एक ऐसा महत्वपूर्ण घटक है जो अपनी गौरवशाली विरासत, राष्ट्रनिर्माण, व्यापार एवं उद्योगों के विकास में अपने योगदान पर गर्व कर सकता है।
- लेकिन हमारी इन सब उपलब्धियों के बावजूद वैश्य समुदाय को इस प्रयास के लिए कोई विशेष पहचान नहीं मिल पाई है।
- इसके विपरीत इस समुदाय को सरकार और शासनतंत्र की उपेक्षा व उदासीनता का शिकार होना पड़ रहा है। अन्यथा क्या कारण है कि स्वातंत्रयोत्तर काल में तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात प्रारम्भिक वर्षों में संसद एवं विधान सभाओं में वैश्य समाज के सदस्यों की संख्या काफी थी, उसके मुख्यमंत्री हुआ करते थे, लेकिन वर्तमान में यह संख्या बहुत कम रह गई है।
- हमारे जख्म और गहरे हो जाते हैं जब वैश्य समाज को 'बनिया' कह कर बेहद निंदनीय तरीके से पुकारा जाता है।
- प्यारे बंधुओं, गलती हमारी ही है क्योंकि हम संगठित नहीं हैं, बिखरे हुये हैं, विभाजित हैं और आत्म केन्द्रित होकर जी रहे हैं। कई बार तो हमें अपने समाज के सदस्यों की पूरी जानकारी भी नहीं होती।
- सबको एक मंच पर लाने के लिए, एकजुट व संगठित करने के लिए पिछले पचास वर्षों में किये गये प्रयास स्थानीय स्तर पर ही सीमित रहे। हमने उन्हें गम्भीरता से लिया ही नही और जो कुछ प्रयास हुए, उन्हें संदेह की दृष्टि से देखा गया। इसका कारण है, हमारे अभी तक किये गये सभी प्रयासों का क्षेत्रीय, सांस्कृतिक एवं औद्योगिक स्तर पर असंगठित व विभाजित होना।
- हमारे पास संख्या की ताकत तो है ही, हम नैतिक, वित्तीय तथा सामाजिक स्तरों पर भी सक्षम एवं संपन्न हैं।
- बंधुओं, समय का तकाजा है कि हम संगठित होकर अपनी क्षमता व ताकत का एहसास दिलाते हुए आगे बढ़े।
- अब समय आ गया है कि हम एक टीम भावना से केन्द्रित होकर प्रयास करें।
- यह अकाट्य सत्य है कि सही मायने में प्रजातंत्र की ताकत संगठित प्रयासों, लक्ष्य एवं कार्य की प्राप्ति हेतु एक ही ध्येय के जरिये हासिल की जा सकती है।
- *तो आइये, हम सब आगे बढ़े और अपने वैश्य समाज को मजबूत बनाने के लिए प्रयास करें, ताकि हम एक बहुत बड़ी ताकत बनकर उभरे।*
- राष्ट्र के निर्माण में अबाध गति से हम अपना योगदान देते रहें।
- हमारी उपलब्धियों को और हमारे योगदान के लिए उचित सम्मान और पहचान मिल सके, इसलिए भी, कि विभिन्न मुद्दों पर राष्ट्रीय और स्थानीय नीतियां बनाते समय हमारी आवाज सुनी जाय तथा हमारी चिंताओं एवं अपेक्षाओं को भी ध्यान में रखा जाय।

आओ आगे बढ़े और

- ❖ 'एक आवाज, एक शक्ति के रुप में वैश्य समाज की सुदृढ़ता दर्शायें।'
- ❖ अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन आपको आमंत्रित करता है इस मंच से जुड़ने के लिए ताकि, आप भी कंधे से कंधा मिलाकर उपरोक्त उद्देश्य की प्राप्ति हेतु एक संगठित शक्ति का भाग बन सके।
- ❖ आपका सदस्यता फार्म मिलने की आशा में......

मुंबई प्रदेश वैश्य महासम्मेलन

कार्यालय: कार्यालय: 612, अरुण चेम्बर्स, तारदेवरोड, मुंबई-400 034 फोन: 022-40070100 फैक्स: 022-40070101
Website: mumbaivaishsamaj.org E-mail: vaishmumbai@yahoo.co.in